सुशासन सप्ताह कार्यक्रम की रिपोर्ट

पूर्व प्रधानमंत्री **श्री अटल बिहारी वाजपेयी** की पुण्य जयंती के उपलक्ष्य पर हर वर्ष 25 दिसंबर को **सुशासन दिवस** और इस पूरे सप्ताह को **सुशासन सप्ताह** के रूप में मनाया जाता है। यह दिवस वर्ष 2014 से मनाया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के योगदान का सम्मान करना और सरकार की जवाबदेही पर जागरूकता फैलाने है। इसी कड़ी में "**आज़ादी का अमृत महोत्सव**" के अंतर्गत **हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला** में 20 दिसम्बर, 2021 को **"सुशासन सप्ताह-2021"** कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अथिति **डॉ॰ अश्वनी कुमार शर्मा, भा॰ प्र॰ से॰, विशेष सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग,** हिमाचल प्रदेश सरकार रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में **डॉ॰ अश्वनी तपवाल वैज्ञानिक-एफ॰** ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया एवं सुशासन सप्ताह कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में बताया। इस के पश्चात **डॉ॰ एस॰एस॰ सामंत, निदेशक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला** ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि का स्वागत किया तथा कार्यक्रम में अपना व्याख्यान देने हेतु आमंत्रण स्वीकार करने के लिए धन्यवाद किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता **डॉ॰ अश्वनी कुमार शर्मा, भा॰ प्र॰ से॰**, ने बताया कि इस वर्ष सुशासन सप्ताह का विषय **"प्रशासन गाँव की ओर"** है जिस के अंतर्गत जन शिकायतों के निवारण और सेवा वितरण में सुधार के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान भारत के सभी जिलों, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आयोजित किया जा रहा है। **700** से अधिक जिला कलेक्टर "प्रशासन गाँव की ओर" कार्यक्रम में भाग लेंगे और सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम के दौरान तहसील/पंचायत समिति मुख्यालय का दौरा कर समय पर शिकायत निवारण और सेवा वितरण सुधार में योगदान देंगे। तहसील/पंचायत समिति कार्यालयों में जिला कलेक्टरों द्वारा की जाने वाली गतिविधियों के संबंध में प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डी॰ए॰आर॰पी॰जी॰) और राज्य सरकारों द्वारा दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

21 दिसबंर, 2021 को विदेश मंत्रालय द्वारा सुशासन पहलों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

22 दिसंबर, 2021 को, डीपीआईआईटी द्वारा अनुपालन बोझ और एकीकृत और प्रभावी शासन प्रथाओं को कम करने के लिए सुधारों के अगले चरण पर राष्ट्रीय कार्यशाला पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

23 दिसंबर, 2021 को कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग "मिशन कर्मयोगी-द पाथ आगे" विषय पर कार्यशाला का आयोजन करेगा।

24 दिसंबर, 2021 को प्रशासनिक सुधार एवं जन शिकायत विभाग केंद्रीय सचिवालय में निर्णय लेने में दक्षता बढ़ाने की पहल विषय पर कार्यशाला आयोजित करेगा।

25 दिसंबर को केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों द्वारा अनुभवों को साझा किया जाएगा।

डॉ॰ एस॰एस॰ सामंत, निदेशक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान ने आयोजन से जुड़े सभी लोगों के प्रयासों की सरहाना की तथा सभी प्रतिभागियो से सुशासन प्रथाओं को अपनाने का आवाहन किया। कार्यक्रम के अंत में **डॉ॰ जोगिंदर चौहान, मुख्य तकनीकी अधिकारी** ने संस्थान के निदेशक, मुख्यातिथि, वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, शोधार्थियों का कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान देने के लिए धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम की झलकियां

SALUTE TO
GOOD
GOVERNANCE!
25 DECEMBER

सुशासन सप्ताह - 2021 का आयोजन
(20 से 25 दिसम्बर, 2021)
दिनांक : 20 दिसम्बर, 2021

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर हिमाचल 22-12-2021

अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर होंगे कई कार्यक्रम

एचएफआरआई में सुशासन सप्ताह की शुरुआत, सप्ताह भर चलेंगे कार्यक्रम

शिमला| पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर हर वर्ष 25 दिसंबर को सुशासन दिवस और इस पूरे सप्ताह को सुशासन सप्ताह के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य अटल बिहारी वाजपेयी के योगदान का सम्मान करना और सरकार की जवाबदेही पर जागरुकता फैलाना है। इसी कड़ी में हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला में सुशासन सप्ताह-2021 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्याथिति विशेष सचिव, स्वास्थ्य विभाग डॉ. अश्वनी कुमार शर्मा रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में एचएफआरआई के निदेशक डॉ. एसएस सामंत ने मुख्यातिथि का स्वागत किया।

मुख्यातिथि डॉ. अश्वनी कुमार शर्मा ने बताया कि इस वर्ष सुशासन सप्ताह का विषय प्रशासन गांव की ओर है जिस के तहत जन शिकायतों के निवारण और सेवा वितरण में सुधार के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान भारत के सभी जिलों, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आयोजित किया जा रहा है। 700 से अधिक जिला कलेक्टर प्रशासन गांव की ओर कार्यक्रम में भाग लेंगे और सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम के दौरान तहसील, पंचायत समिति मुख्यालय का दौरा कर समय पर शिकायत निवारण और सेवा वितरण सुधार में योगदान देंगे। मुख्य तकनीकी अधिकारी डॉ. जोगिंदर चौहान ने संस्थान के निदेशक, मुख्यातिथि, वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, शोधार्थियों का कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आभार जताया। 22 दिसंबर को डीपीआईआईटी द्वारा अनुपालन बोझ, एकीकृत और प्रभावी शासन प्रथाओं को कम करने के लिए सुधारों के अगले चरण पर राष्ट्रीय कार्यशाला। 23 को कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग मिशन कर्मयोगी-द पाथ आगे विषय पर कार्यशाला। 24 को प्रशासनिक सुधार एवं जन शिकायत विभाग केंद्रीय सचिवालय में निर्णय लेने में दक्षता बढ़ाने की पहल विषय पर कार्यशाला। 25 को केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों द्वारा अनुभवों को सांझा किया जाएगा।

एचएफआरआई में सुशासन सप्ताह के शुभारंभ पर मौजूद संस्थान के निदेशक, मुख्यातिथि और अन्य वैज्ञानिक।

25 तक मनाया जाएगा सुशासन दिवस

पांच दिन तक विभिन्न पहलुओं पर होगी चर्चा

वरिष्ठ संवाददाता। शिमला

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्वजयंती पर 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के रूप में मनाया जा रहा है, जबकि इस पूरे सप्ताह को सुशासन सप्ताह के रूप में मनाया जाता है। यह दिवस साल 2014 से मनाया जा रहा है।

इसका मुख्य उद्देश्य अटल बिहारी वाजपेयी के योगदान का सम्मान करना और सरकार की जवाबदेही पर जागरूकता फैलाना है। इसी कड़ी में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला में 20 दिसंबर को सुशासन सप्ताह 2021 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अश्वनी कुमार शर्मा विशेष सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. अश्वनी तपवाल वैज्ञानिक-एफ ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि इस वर्ष सुशासन सप्ताह का विषय प्रशासन गांव की ओर है, जिसके अंतर्गत जन शिकायतों के निवारण और सेवा वितरण में सुधार के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान भारत के सभी जिलों, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आयोजित किया जा रहा है। 700 से अधिक जिला कलेक्टर प्रशासन गांव की ओर कार्यक्रम में भाग लेंगे।

इस तरह रहेगा सप्ताह का शेड्यूल

- 21 दिसंबर को विदेश मंत्रालय द्वारा सुशासन पहलों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।
- 22 को डीपीआईआईटी द्वारा अनुपालन बोझ और एकीकृत और प्रभावी शासन प्रथाओं को कम करने के लिए सुधारों के अगले चरण पर राष्ट्रीय कार्यशाला पर विचार-विमर्श किया जाएगा।
- 23 को कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (मिशन कर्मयोगी-द पाथ आगे) विषय पर कार्यशाला का आयोजन करेगा।
- 24 को प्रशासनिक सुधार एवं जनशिकायत विभाग केंद्रीय सचिवालय में निर्णय लेने में दक्षता बढ़ाने की पहल विषय पर कार्यशाला आयोजित करेगा।
- 25 दिसंबर को केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों द्वारा अनुभवों को साझा किया जाएगा।